AND COMPANY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI O. RAJAGOPAL): Sir, on behalf of Shri Sunder Lai Patwa, I move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

The question was put and the motion was adopted

SHRI O. RAJAGOPAL: Sir, I introduce the Bill.

* SPECIAL MENTIONS

MR. CHAIRMAN: Shrimati Jayanthi Natarajan. Not present.

Shri Ahmed Patel.

Police action against agitating farmers in Gujarat and other parts of the country

श्री अहमद पटेल (गुजरात) : सभापति महोदय, गुजरात और देश के कई इलाकों में पीने के पानी को गंभीर समस्या है । खास तौर से गुजरात में, सौराष्ट्र में कच्छ और नार्थ गुजरात में पीने के पानी की समस्या बहुत विकट है । जब भी पीने के पानी के लिए या अपनी खेती के लिए किसान आंदोलन करते हैं, उनको गोलियों से भून दिया जाता है, अंधाधुंध गोलियां चलाई जाती है । नतीजा यह होता है कि निर्दोष किसान या आम जनता मारी जाती है । मैं अपने विशेष उल्लेख के जरिये सदन और सरकार का ध्यान इस और आकर्षित करना चाहूंगा । कुछ दिन पहले 14 तारीख को जामनगर डिस्ट्रिक्ट के फल्ला गांव में जो हादसा हुआ, वाकया हुआ, मैं समझता हूं यह दिल को हिलाने वाला हादसा था, वाकया था । किसान भाई बहन पिछले एक महीने से आंदोलन चला रहें थे पीने के पानी के लिए खेती के लिए और अपने मवेशियों को बचाने के लिए । कंकावटी डैम का पानी जामनगर शहर को देने के लिए रिजर्व किया गया था । इस गांव के लोगों को संदेह था कि यह पानी शहर में दिया गया तो उनको पीने का पानी नहीं मिल पाएगा, उनकी खेती नहीं बच पाएगी, उनके मवेशी नहीं बच पाएंगे । इसीलिए पिछले एक डेढ महीने से शन्तिपूण्र तरीके से वे आंदोलन चला रहे थे । किसी ने उनको नहीं पूछा, किसी ने उनकी खबर नहीं ली और किसी ने उनकी चिंता नहीं की । यह भी नहीं कहा गया, यह भी आवश्वासन नहीं दिया गय कि कंकावटी डैम का पानी आपको भी मिलेगा, आपकी खेती को कोई तकलीफ नहीं होगी, आपको पीने का पानी उपलब्ध कराया जाएगा । नतीजा यह हुआ कोई तकलीफ नहीं होगी, आपको पीने का पानी उपलब्ध करया जाएगा । नतीजा यह हुआ कि 14 तारीख को जब वे आंदोलन कर रहें थे, पुलिस ने उन पर अंधाधुंध गोलियां चलाई जिसकी वजह से तीन लोग मारे गये जिसमें एक 22 साल का नवयुवक भी था । जो 23 लोग घायल हुए उनमें तीन महिलाएं भी थी । मैं समझता हूं यह बहुत ही गंभीर

विषय है । वहां पर तनाव का वातावरण बना हुआ है । सरकार को इमीटियेटली इसके बारे में सोचना चाहिए । असली समस्या यह है कि लोगों को पानी का पानी नहीं मिलता है । गुजरात में 18000 गांव है जिनमें से 8000 से ज्यादा गांव ऐसे हैं जो नो सोर्स में हैं , जहां पीने का पानी उपलब्ध नहीं है । बहनों को दो-दो तीन किलोमीटर दूर जाना पड़ता है और हफ्ते में एक या दो बार पानी मिलता है । जब कांग्रेस की सरकार थी,जब अकाल हुआ 1958 से 1988 के दौरान राजीव जी ने वहां पर विजिट किया और मही नदी से पाइपलाइन के जरिये सौराष्ट्र के एरिया को पानी मिले, इसके लिए एक योजना बनाई गई थी । इस योजना को वर्तमान सरकार द्वारा कूड़ेदान मे डाल दिया गया और कोई वैकप्कि योजना नहीं बनाई गई । नतीजा यह हुआ कि वहां के लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है । वहां की खेती नष्ट हो रही है । मवेशी मर रहें हैं । जहां तक मेरी जानकारी है उसके बाद कोई योजना बनी थी । लेकिन उसका जिस तरह से इंपलीमेंटेशन होना चाहिए, वह भी नही हो रहा है । ऐसी कोई ठोस वैकप्लिक योजना बनानी चाहिए जिससे सौराष्ट्र कच्छ और नार्थ गुजरात के लोगों को पानी मिले । सरदार सरोवर योजना भी कानूनी झगडे में पड़ी है । प्रधानमंत्री जी जब चुनाव के दौरान गुजरात आए थे तो उन्होनें जनता को आवश्वासन दिया था कि हम संबधिंत चीफ मिनिस्टर्स को बुलाएंगे, जिस तरह से कावेरी रीवर के पानी का मसला हल किया थाउसी लाइन पर चीफ मिनिस्टर्ज की मीटिंग बुला कर जैसे ही हमारी सरकार बनेगी हम इस समस्या का सालुशन निकालेंगे । अभी तीन दिन पहले हम प्रधानमंत्री जी से मिलें हैं । उन्होनें फिर से आवश्वासन दिया है । मैं इस सदन के माध्यम से केन्द्र से यह अनुरोध करूंगा कि यह जो पानी का मसला है, उसका हल निकालना चाहिए, कोई दीर्घकालीन योजना बनानी चाहिए और मही नदी का पानी पाइपलाइन के जरिये लाये जाने की जो योजना थी, सौराष्ट्र और कच्छ के लिए कम से कम इस योजना को पुनजजीविंत करना चाहिये था कोई और योजना जो सरकार के ध्यान में हैं तथा जिसका अनाऊंसमेंट भी किया गया है, मैं समझता हूं उसको जल्दी से जल्दी इंपलीमेंट कराना चाहिए ।

दूसरी मेरी मांग यह है कि प्रधान मंत्री जी की और सरकार को इंस्टरेस्ट लेकर जो सरदार सरोवर योजना है, जो कानूनी झगड़े में पड़ी हुई है, कम से कम उसका कोई साल्यूशन निकालना चाहिए और यह जो हादसा हुआ है, मैं समझता हूं कि गृह मंत्री जी को इसके बारे में बयान देना चाहिए । जो लोग मारे गए है उनके परिवारों को, जो घायल हुए हैं उनके परिवारों को सही तरीके से मुआवजा मिलना चाहिए । जो अफसर वहां पर इन्वाल्ड हैं, जो रिस्पांसिबल है कम से कम उनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए । कुछ कार्यवाही हुई है लेकिन सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए । मुख्य मंत्री ने अगर उस

एरिया को विजिट नहीं किया है तो उस एरिया को भी विजिअ करना चाहिए । तो ये जो सारी डिमांड्स हैं मैं समझता हूं कि वहां की सरकार को इनको ध्यान में लेना चाहिए और जहां तक सरदार सरोवर योजना का सवाल है उसके बारे में केन्द्र सरकार को गंभीरता से सोचना चाहिए ।जो पानी का मसला है उसको गंभीरता से लेकर वहां के इलाके के जो लोग हैं । उनको तकलीफ न हो, उनकी खेती नष्ट न हो, उनके मवेशी न मरें, इसके बारे में ध्यान देना चाहिए । धन्यवाद।

प्रो. रामगोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : माननीय अहमद पटेल साहब ने जो विशेष उल्लेख का मसला उठाया है ...(**व्यवधान**) मैं इसी पर बोल रहा हूं । यह निश्चित रूप से बड़ा गंभीर मामला है ...(**व्यवधान**) श्रीमन् जो उस इलाके में नहीं गए हैं वे कल्पना ही नहीं कर सकतें हैं कि वहां पीने के पानी की कितनी जबर्दस्त कमी है । मैं जामनगर से पोरबंदर और द्वारका तक एक बार जा रहा था तो कई जगह दो-दो सौ मीटर तक लंबी घड़ों की लाइनें लगी हुई थीं । मैनें अपनी गाड़ी रोक कर उनसे पूछा कि यह क्या है । वे बोलें कि पानी टैंकरों से आता है । पीने का पानी यहां उपलब्ध नहीं है । टैंकरों से पानी आता है इसलिए लाइन में लगाए जातें हैं ताकि एक क्रम से लोगों को मिल जाए । यह स्थिति है । फिर पीने पानी की लोग मांग कर रहें हैं और उन पर गोली चले,आजाद हिन्दूस्तान में ? तो जिन लोगों ने आजादी की लड़ाई लड़ी – आप भी स्वंतंत्रता संग्राम सेनानी रहें हैं सर, उन्होनें कभी इस बात की कल्पना नही की होगी कि इस देश में पानी पीने के लिए भी लोग मांग करेंगे तो उन पर गोली चलेगी । मैं आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करता हूं। ...(**व्यवधान**)

श्री ललित भाई मेहता (गुजरात): वह पीने का पानी रिजर्व रखा था ...(**व्यवधान**) गुजरात की सरकार ने लेकिन ...(**व्यवधान**)

प्रो. रामगोपाल यादव : श्रीमन यह देखिए । लोगों की मानसिकता देखिए । लोग मरें तब भी उनको राजनीति दिखती है । मेरी मांग है सरकार से कि लोग मरे हैं । उनको 5 लाख रूपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से मुआवजा दिया जाए । जो घटना हुई है उसकी न्यायिक जांच करायी जाए।

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI (Gujarat): Sir, it is a fact that there is a shortage of water in Gujarat. It is so because the level of water in the dams there has gone down. Even in the Mayee dam the water level has gone down. In many rivers, including in Panam river in Gujarat, there is virtually no water. Therefore, there is a water crisis and water supply for irrigation

purposes has been stopped. It is also an admitted fact that there is an ucute shortage in the Saurashtra area. I also admit that there were two or three killings in the Jamnagar district. This happened not because they were demanding water for drinking purposes, but because the farmers agitated and prevented the supply of water for drinking purposes. That is why this incident took place. While associating with Shri Ahmed Patel I would say that the Centre should look into the water problem of the people of Gujarat State and help them get over the crisis . Thank you.

***मौलाना अबैदुल्ला खान आज़मी (बिहार) :** सर, अहमद पटेल साहब ने यह इन्सानी कद्रों का मसला उठाया है और हमारे लिए बड़े शर्म की बात है कि हम अपने अवाम को 50 साल के बाद भी पीने का पानी मुहैया नहीं करा सकें। गुजरात के बेशतर इलाकों में मेरा जाना-आना होता है और मैनें खुद चश्मेसर से इस मामले को देखा है कि दूरदराज की औरतें घड़ों को अपने सिर पर लिए हुए तालाब पर यहां-वहां आती है और इस तरह से पानी आता है। यह मसला बहुत सेंसिटिव है और वह मसला गैरमुतनाजिया है। आपकी तरफ से भी यह बात आदेश के रूप में आ जानी चाहिए कि सरकार इस मामले को देखें और कम से कम पानी तो लोग पिला ही रहे हैं मगर दूसरे ढंग से पिला रहें हैं, वे सही ढंग से पिला दें ताकि अवाम को पानी मिलें और गुजरात की समस्या हल हो। थैंक्यू।

श्री खान गुफरान जाहिदी (उत्तर प्रदेश) : यह मसला जो अहमद पटेल जी ने उठाया है उस पर थोड़ा सा बोलना चाहता हूं ...

श्री सभापति : नहीं. नहीं

श्री खान गुफ़रान जाहिदी : ऐसा है कि यह राजनीति से परे मामला है। यह पानी जो है यह कांग्रेस या भा0ज0पा0 का पानी नहीं है। आपकी तरफ से अगर डाइरेक्शन नहीं होगा। तो इसमें कैसे काम चलेगा। चैयरमेन साहब होता क्या है कि यहां से स्पेशल मेंशन चला जाता है, लेकिन न हमारे पास इत्तलां आती है और न कुछ मालूम पड़ता है। इसलिए मैं आप के माध्यम से फोर्स डलवाना चाहता हूं। मैं इस विशेषपरिस्थिति में आप से मुतावला करता हूं कि सरकार से बयान दिलाने की कोई बात आप कर दीजिए। मान्यवर, हम किस लिए स्पेशल मेंशन करते हैं ?

श्री सभापति : स्पेशल मेंशन का जवाब आता हैं।

---

* Transliteration of the speech in Persian Script is available in the Hindi version of the Debate

श्री खान गुफ़रान जाहिदी : चेयरमैनें साहब, जवाब भी आए और कुछ बयान भी हो। हमारे नेता सदन यहां बैठें हैं, उन की तरफ से कोई तो बात होनी चाहिए। आखिर हम स्पेशल मेंशन कर रहें हैं। वे हमारे नेता सदन हैं, बड़े जिम्मेदार है और वह जानतें हैं कि पानी की किल्लत क्या होती है ? यह इंसानियत से जुड़ा मामला है और हम आप से ह्यूमनिटेरियन ग्राउंड पर अपील कर रहें हैं कि इस मसले पर आप नेता सदन से कहें कि यकीनी तौर पर सौराष्ट्र प्यासा है और ऐसी हालत में वहां जन-जीवन कैसे चलेगा ? चेयरमैन साहब, मुल्क का एक हिस्सा पीने के पानी से महरूम हैं, यह हम सब के लिए दुख की बात है। ...(**व्यवधान**)... मैं तो स्पेशली मेंशन कर रहा था कि यह एक ऐसा सवाल है जिस पर हमारे चेयरमैन साहब हमारे हितों की रक्षा करें, हिन्दूस्तान के एक-एक आवाम की रक्षा करें। इसलिए हम चाहतें हैं कि नेता सदन हम को कुछ यकीन दिलाएं कि सौराष्ट्र में पीने के पानी की कमी को दूर करने के लिए वह क्या इंतजाम करने जा रहें हैं ? नेता सदन, हम सब आप की इज्जत करते हैं। इस मसले पर आप कुछ तो कह दीजिए। आप भी पीने के पानी की समस्या से जूझते रहतें हैं, इसीलिए मैं आप से दरख्वास्त कर रहा हूं

Soil erosion caused by rivers in North Bihar

श्री नरेश यादव (बिहार) : महोदय, मेरा सवाल नदियों के पानी की समस्या से सबंधित हैं

महोदय, राष्ट्रीय बाढ़ आयोग ने अपनी रिपोर्ट में यह कहा है कि बिहार भारत का सर्वाधिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है और जितनी क्षति देश में बाढ़ से होती है उसकी 22.8 प्रतिशत क्षति अकेले बिहार में होती है। महोदय, यह क्षति बिहार के उत्तरी हिस्सों में ज्यादा होती है। यह तबाही और आर्थिक क्षति कोशी, गंडक, बागमती, घाघरा, कमला बलान, अधवारा समूह एंव महानन्दा नदियों के कारण होती है। इस के अलावा गंगा एक अंतराष्ट्रीय नदी है जोकि उत्तर भारत के कई राज्यों से होकर गुजरती है और बिहार मे बक्सर के पास प्रवेश करती है। यह गंगा नदी बिहार राज्य में लगभग 445 किलोमीटर बहकर मनिहारी घाट के पूरब में राजमहल के पास पश्चिम बंगाल में प्रेवेश करती है।

महोदय, उपरोक्त् सभी सहायक नदियां भी गंगा नदी में मिलती है। ऐसी और भी छोटी-छोटी 200 नदियां, जो विभिन्न नामों से जानी जाती है, गंगा में आकर मिलती है। फरक्का बैराज स्थल पर नदी के बहाव में बाधा के कारण ऊपर के हिस्सों अर्थात बिहार